

---

This is a reproduction of a library book that was digitized by Google as part of an ongoing effort to preserve the information in books and make it universally accessible.

Google™ books

<https://books.google.com>



Introductory  
BENGALI SPELLING-BOOK,  
WITH  
READING LESSONS.

বালক শিক্ষার্থ লঘু পাঠসংযুক্ত

সংস্কৃতভাষার বর্ণমালা।

শ্রীরামপুরের তমোহর যন্ত্রে  
শ্রীমুত জে এচ্ পিটার্স দাহেবকর্তৃক মুদ্রিত হইল।

সন ১২৬৭ সাল।



SERAMPORE:

PRINTED BY J. H. PETERS AT THE  
TOMOHUE PRESS

1860.

R

১২৪

107

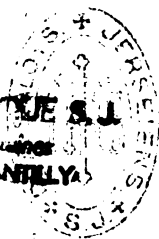
Anna Rancé

- R124/107

BIBLIOTHEQUE S. J.

Les Religieuses

60 - CHANTILLY



Kō

ক  
cho

চ  
ta

ট  
ta

ত  
ho

প  
ja

য  
sau

Khō

খ  
chha

ছ  
tha

ঠ  
thā

থ  
pho

ফ  
ro

ব  
sau

Go

গ  
ja

জ  
da

ড  
da

দ  
bo

ব  
lo

ল  
sau

Ghō

ঘ  
jha

ঝ  
zha

ঢ  
zha

ধ  
bho

ভ  
bo

ব  
khya

ouwan

উ  
iyon

ঊ  
anon

ণ  
na

ন  
mo

ম  
sau

শ  
khya

।

āw

অ  
ri

ঐ

ā

আ  
u

ঐ

ī

ই  
rilli

ঐ

ou

ঐ  
rilli

ঐ

ou

উ  
e

ঐ

ou

ঊ  
oi

ঐ

ও

ঐ

অ

অঃ

|             |             |                     |              |            |              |      |
|-------------|-------------|---------------------|--------------|------------|--------------|------|
| ১০          | ১০১         | স্বাৎক্রম ব্যঞ্জন । |              | ধ্বা       | ধ্বা         | ধ্বা |
| ব           | র           | ব                   | ক            | ধ          | ঘ            |      |
| <i>dja</i>  | <i>tha</i>  | <i>gha pha</i>      | <i>tcha</i>  | <i>tha</i> | <i>dh</i>    |      |
| য           | ষ           | ফ                   | চ            | ঠ          | ট            |      |
| <i>dha</i>  | <i>bha</i>  | <i>fa</i>           | <i>da</i>    | <i>dja</i> | <i>tau</i>   |      |
| ঢ           | ভ           | ত                   | ড            | জ          | ঙ            |      |
| <i>tha</i>  | <i>kha</i>  | <i>go</i>           | <i>pha</i>   | <i>sha</i> | <i>anoni</i> |      |
| থ           | খ           | গ                   | প            | শ          | ণ            |      |
| <i>to</i>   | <i>noun</i> | <i>noun</i>         | <i>sha</i>   | <i>kha</i> | <i>tchha</i> |      |
| ল           | ন           | ম                   | স            | হ          | ছ            |      |
| <i>kiao</i> | <i>yon</i>  | <i>dau</i>          |              |            |              |      |
| ক           | ঞ           | দ ।                 |              |            |              |      |
| ১           | ১০২         | স্বাৎক্রম স্বর ।    |              | ou         | ou           |      |
| আ           | অ           | ঐ                   | এ            | উ          | ঊ            |      |
| <i>ru</i>   | <i>law</i>  | <i>chi</i>          | <i>rilli</i> | <i>oi</i>  | <i>oi</i>    |      |
| ঈ           | ঊ           | ঋ                   | ৐            | ঔ          | ঐ            |      |
| <i>ai</i>   | <i>au</i>   | <i>aiu</i>          | <i>an</i>    |            |              |      |
| ই           | ও           | অঃ                  | অং ।         |            |              |      |

১ ২ ৩ ৪ ৫ ৬ ৭ ৮ ৯ ০  
 ১ ২ ৩ ৪ ৫ ৬ ৭ ৮ ৯ ০

ankhau ankhau [ anga ] angcha angghai

ক খ গ ঘ ঙ ।

angcha andha anggha anggha anggha

চ ছ জ ঝ ঞ ।

angta angtha angda angdha anva

ট ঠ ড ঢ ণ ।

angta angtha anda andha anggha

ত থ দ ধ ন ।

angghau angghau anggha anggha anggha

প ফ ব ভ ম ।

angja ra angla anggha anggha

য র ঙ্গ ঙ্গ ঙ্গ

anggha anggha anggha anggha

জ ঝ ঞ্চ ঞ্চ ।

ashkō ashkha [ 8 ] adgha adgha ouaustro  
 ক স্ব কা দ্য ভ্র।

astchaa astchha abja abja agahaggio  
 শ শ্চ জ ঞ ঙ।

ashta ashtha abda abdha ashano  
 ষ ঠ ড ঢ ণ।

artha asthha artha ardhha ahamio  
 ত্ৰ স্ৰ দ্ধ ক্ৰ হ।

ashpa ashpaio ashpaio abhpaio shommo  
 প্প ফ দ্ভ ভ্ৰা।

okadja ra okalla okobho kattocha  
 য় র় ঞ্জ ঞ্জ ণৈ

kottorha kottorha kottokhaio kottokhaio  
 ঞ্জ ঞ্জ ঞ্জ ঞ্জ।

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| কা | কি | কী | কু | কু | কে | কৈ | কো | কৌ |
| খা | খি | খী | খু | খু | খে | খৈ | খো | খৌ |
| গা | গি | গী | গু | গু | গে | গৈ | গো | গৌ |
| ঘা | ঘি | ঘী | ঘু | ঘু | ঘে | ঘৈ | ঘো | ঘৌ |
| চা | চি | চী | চু | চু | চে | চৈ | চো | চৌ |
| ছা | ছি | ছী | ছু | ছু | ছে | হৈ | ছো | ছৌ |
| জা | জি | জী | জু | জু | জে | জৈ | জো | জৌ |
| ঝা | ঝি | ঝী | ঝু | ঝু | ঝে | ঝৈ | ঝো | ঝৌ |
| টা | টি | টী | টু | টু | টে | টৈ | টো | টৌ |
| ঠা | ঠি | ঠী | ঠু | ঠু | ঠে | ঠৈ | ঠো | ঠৌ |
| ডা | ডি | ডী | ডু | ডু | ডে | ডৈ | ডো | ডৌ |
| ঢা | ঢি | ঢী | ঢু | ঢু | ঢে | ঢৈ | ঢো | ঢৌ |
| তা | তি | তী | তু | তু | তে | তৈ | তো | তৌ |
| থা | থি | থী | থু | থু | থে | থৈ | থো | থৌ |
| দা | দি | দী | দু | দু | দে | দৈ | দো | দৌ |
| ধা | ধি | ধী | ধু | ধু | ধে | ধৈ | ধো | ধৌ |



|      |      |      |      |      |      |      |      |      |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| না   | নি   | নী   | নু   | নূ   | নে   | নৈ   | নো   | নৌ   |
| পা   | পি   | পী   | পু   | পূ   | পে   | পৈ   | পো   | পৌ   |
| ফা   | ফি   | ফী   | ফু   | ফূ   | ফে   | ফৈ   | ফো   | ফৌ   |
| বা   | বি   | বী   | বু   | বূ   | বে   | বৈ   | বো   | বৌ   |
| ভা   | ভি   | ভী   | ভু   | ভূ   | ভে   | ভৈ   | ভো   | ভৌ   |
| মা   | মি   | মী   | মু   | মূ   | মে   | মৈ   | মো   | মৌ   |
| যা   | যি   | যী   | যু   | যূ   | যে   | যৈ   | যো   | যৌ   |
| রা   | রি   | রী   | রু   | রূ   | রে   | রৈ   | রো   | রৌ   |
| লা   | লি   | লী   | লু   | লূ   | লে   | লৈ   | লো   | লৌ   |
| শা   | শি   | শী   | শু   | শূ   | শে   | শৈ   | শো   | শৌ   |
| ষা   | ষি   | ষী   | ষু   | ষূ   | ষে   | ষৈ   | ষো   | ষৌ   |
| সা   | সি   | সী   | সু   | সূ   | সে   | সৈ   | সো   | সৌ   |
| হা   | হি   | হী   | হু   | হূ   | হে   | হৈ   | হো   | হৌ   |
| ক্ষা | ক্ষি | ক্ষী | ক্ষু | ক্ষূ | ক্ষে | ক্ষৈ | ক্ষো | ক্ষৌ |

---

|    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| কং | খং | গং | ঘং | চং | ছং | জং | ঝং | টং |
| ঠঃ | ডঃ | ঢঃ | তঃ | থঃ | দঃ | ধঃ | নঃ | পঃ |

---

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା

କା  
ଧା  
ଗା  
ସା  
ଓ  
ଚା  
ଛା  
ଜା  
ଝା  
ଞ୍ଜା  
ଟା  
ଠା  
ଡା  
ତା  
ଥା



Digitized by Google

|       |       |       |       |     |        |
|-------|-------|-------|-------|-----|--------|
| ডর    | ডাক   | ডাশ   | ডিম   | ডুব | ডৌল    |
| ঢক    | ঢাক   | ঢাল   | ঢিল   | ঢোল | তল     |
| তাল   | তিল   | তূণ   | তৈল   | তৌল | ত্রাণ  |
| থাক   | থুঁতি | থোড়  | দল    | দেশ | দ্রব্য |
| ধন    | ধীর   | ধূপ   | নাগ   | নাশ | নীচ    |
| পথ    | পাক   | পিক   | পেট   | পুর | পাঁচ   |
| ফল    | ফাঁক  | ফাঁদ  | ফুল   | ফের | বল     |
| বাঁশ  | বিষ   | বীর   | বুক   | বেত | বোধ    |
| ভাগ   | ভুল   | ভেট   | ভেদ   | ভোজ | ভ্রম   |
| মদ    | মাস   | মীন   | মুখ   | মেঘ | মৌন    |
| যব    | যশঃ   | যোগ   | রথ    | রাগ | রূপ    |
| লাভ   | লুঠ   | লেপ   | লেশ   | লোপ | লোভ    |
| শঠ    | শর    | শাল   | শেষ   | শোক | শ্রম   |
| ষাঁড় | সৎ    | সর    | সাধ   | সুখ | স্থান  |
| হাত   | হাঁস  | হিত   | হিম   | হুল | হুস    |
| ক্ষণ  | ক্ষত  | ক্ষীণ | ক্ষেপ | লোভ | ক্ষৌর  |

ঘরে যাও। খেলা কর। বহি পড়।  
 কোথা যাও? কি কর? পাঠ লও। কথা  
 কহ। আমি বসি। ভাল কর। তুমি উঠ।  
 চৌকি রাখ। সপ পাত। খাল কাট। বৃষ্টি  
 পড়ে। ছাতি ধর। গৃহে চল। বেলা গেল।  
 রাত্রি হইল। ঘুম পায়। খাটে শুই। নিদ্রা  
 হয়। তোপ পড়ে। কাক ডাকে। বায়ু বহে।  
 অগ্নি জ্বলে। ফুল সোঁক। মধু চাট।  
 আমি দেখিলাম। তুমি কি জান? তাহা  
 কর। এখন আমি যাই।

সে তাহা করিল। তাহা আমাকে  
 দেও। যদি এমত হয়। সেই গ্রাম কত দূর  
 হইবে? আমার নিকটে আইস। এখন  
 কত বেলা আছে? আমার কোন কলম  
 নাই। তোমার কাছে যদি কাগজ থাকে।  
 তুমি তাহাকে বল। আমার বয়স পাঁচ  
 বৎসর হইয়াছে। এবং আমি অতি অল্প  
 জ্ঞানি। এখন আমরা খিঁড়ি। আমিও

তাহাকে দেখিলাম। সে অতি ছোট বা-  
লক।

*many more probably an overstatement question*

মধু, তুমি কি নিমিত্তে পাঠশালায় আ-  
সিয়াছ? শিখিবার কারণ আসিয়াছি।

*so many & Sub-junction* এত দিন কি শিখিয়াছ? কখ, বানান,  
ফলা সকল শিখিয়াছি। *the alphabet* আর কিছু কথা

পড়িতে পার কি না? হাঁ পারি, এবং

*the same meaning* গুণিতেও শিখিয়াছি। অনেক দিন পাঠ-  
শালায় আছি। অনেক দিন কোথায়;

বুঝি তিন মাস হইল। প্রথমে শিখিতে  
কি তোমার মনে ভাল লাগিয়াছিল? না,

প্রথমে বড় ভাল লাগে নাই। প্রথম শি-  
ক্ষায় তোমার কেমন বোধ হইল? বোধ

হইল যে নানা প্রকার *fatigue & pain* (শ্রম) ও বিস্তর  
ক্লেশ হইবে; তখন জ্ঞানের কি ফল, কি

*proposition* লাভ, তাহা বুঝি নাই। হাঁ, এই মত  
অজ্ঞান ছিলাম বটে, বুঝি নাই। ঈশ্বর

*guarantee* কে ভয় কর, ও পাপ করিও না।  
*crime or fault*

|        |        |       |        |        |
|--------|--------|-------|--------|--------|
| কচ     | কট     | কথা   | কর্ত্ত | কন্ম   |
| কিছু   | কিম্ব  | কেহ   | খণ্ড   | খঞ্জ   |
| খাদ    | খাদ্য  | খেই   | খেলা   | গঞ্জ   |
| গড়    | গর্ভ   | গল্প  | গলী    | গাথা   |
| ঘটা    | ঘড়া   | ঘড়ী  | ঘুঘু   | ঘৃণা   |
| ঘোড়া  | চক্র   | চক্ষু | চঞ্চু  | চন্দ্র |
| চাকা   | চাল    | ছড়ী  | ছবি    | ছিদ্র  |
| ছুটি   | ছুতা   | ছুরি  | জগৎ    | জন     |
| জন্ম   | জন্ম   | জয়   | জ্ঞানী | ঝড়    |
| ঝাড়   | ঝোলা   | টাকা  | টাটী   | টিক    |
| ঠাউ    | ঠেঁটা  | ঠেঁষা | ডাঁড়ী | ডিঙ্গি |
| ডেলা   | ঢিলা   | ঢেউ   | ঢেঙ্গা | ঢেরা   |
| ঢেরি   | ঢোল    | তক্তা | তথ্য   | তার    |
| তাহা   | তিনি   | তুমি  | থল্যা  | থানা   |
| থাল    | থালী   | থাম   | দংশ    | দড়ী   |
| দণ্ড   | দেনা   | দয়া  | দশ     | দ্রব্য |
| ধনী    | ধর্ম   | ধূলা  | ধোপা   | ধোত    |
| নিদ্রা | নিন্দা | নিশা  | নীপ    | নীর    |



|        |        |        |        |         |
|--------|--------|--------|--------|---------|
| নৃত্ত  | পাকা   | পাছে   | পূর্বে | পৃথু    |
| পোকা   | প্রাণ  | ফটি    | ফকি    | ফিট     |
| ফেধা   | ফেণী   | ফোঁটা  | ফোঁড়া | বংশ     |
| বড়    | বধ     | বাবু   | বায়ু  | বিদ্যা  |
| বুদ্ধি | বৃথা   | বৃদ্ধ  | বৈদ্য  | ব্যক্তি |
| বুঝা   | ভয়    | ভাই    | ভাষা   | ভীত     |
| ভূমি   | ভোজ    | মধ্য   | মন্দ   | মৎস্য   |
| মধু    | মাখি   | মামা   | যম     | যদি     |
| যাবৎ   | যুগ    | যেন    | যোড়া  | রক্ত    |
| রমা    | রসী    | রক্ষা  | রুচি   | রোদ্    |
| লক্ষ্য | লঙ্কা  | লঙ্কা  | লাঠী   | লেখা    |
| লোহা   | শক্তি  | শকা    | শান্তি | শিক্ষা  |
| শিখা   | শীঘ্র  | শীঘ্র  | শীল    | শুষ্ক   |
| শুদ্ধ  | গোস্ত  | সঙ্ঘা  | সত্য   | সঙ্গ    |
| সন্ধি  | স্বপ্ন | স্বপ্ন | সহ্য   | হংস     |
| হঠাৎ   | হস্ত   | হস্তী  | হাস্য  | হেতু    |
| অগ্নি  | অম্ব   | অম্ব   | উদ্ধা  | উষা     |
| কথা    | কর     | কলা    | কাছে   | কান্ত   |

|         |         |         |          |        |
|---------|---------|---------|----------|--------|
| কিছু    | কিছু    | কিছু    | কীৰ্ত্তি | কোণা   |
| ক্রীড়া | ক্রীড়া | ক্রোধ   | খৰ       | খাঁচা  |
| গতি     | গুণা    | গুদা    | গুপ্ত    | গুলি   |
| গোপ     | গুহ     | ঘণ্টা   | ঘাস      | ঘোষ    |
| চক্রে   | চণ্ড    | চিত্ত   | চিত্তা   | চিকু   |
| চূড়া   | চূর্ণ   | চেহ     | চেফা     | ছাত্র  |
| ছায়া   | ছেদ     | ছেটে    | জন্য     | জল     |
| জীর্ণ   | জুতা    | জ্যেষ্ঠ | টিকা     | টোপী   |
| ডাকা    | ডোবা    | ঢাকা    | তকা      | তুঙ্গ  |
| তুলা    | তুষ্ট   | তিব্ব   | ত্যক     | ঘরা    |
| আস      | আটি     | দারা    | দীপ্তি   | দুষ্ট  |
| দৃঢ়    | দৃষ্টি  | দুব্য   | দৈন্য    | ধান্য  |
| ধাতু    | ধুয়া   | ধৈর্য্য | ধুজা     | নখ     |
| নন্দ    | নব্য    | নষ্ট    | নিভ্য    | নিঃস্ব |
| নিন্দ্য | নিম্ন   | পত্নী   | পদ্য     | পৰ্ব   |
| পশ্চাৎ  | পাশ্ব   | পক্ষী   | পিছে     | পুরু   |
| পুষ্ট   | পুষ্টি  | পৃজ্য   | প্রতি    | প্রজ্ঞ |
| প্রস্থ  | প্রাচী  | প্রাপ্ত | কাঁপা    | বৎস    |

|         |          |         |          |         |
|---------|----------|---------|----------|---------|
| বন্ধু   | বার্টা   | বিদ্ধ   | বিজ্ঞ    | বন্ধু   |
| বন্ধ্য  | বিশ্ব    | বেশ     | ভদ্র     | ভক্ষ্য  |
| ভূষা    | ভোক্তা   | ভ্রম    | ভ্রান্তি | ভ্রাতৃ  |
| মুক্তা  | মৃগী     | মৃদু    | মেধা     | মোটা    |
| মোক্ষ   | যথা      | যন্ত্র  | যাত্রা   | যুক্তি  |
| যুদ্ধ   | যোগ্য    | যোত্র   | রক্ষা    | রাত্রি  |
| রীতি    | রুটি     | রোধ     | লগ্ন     | লঘু     |
| লভ্য    | শঙ্কা    | শয্যা   | শান্তি   | শুভ     |
| শূন্য   | শির      | শেষ     | শ্রান্ত  | শূন্য   |
| সঙ্গ    | সন্ধি    | সত্য    | সাধ      | সার     |
| হস্ত    | হস্তী    | হার     | হাস      | হাস্য   |
| হৃদ     | হৃৎ      | ক্ষণ    | ক্ষতি    | ক্ষমা   |
| ক্ষপা   | ক্ষিত্তি | ক্ষুণ্ণ | ক্ষুধা   | ক্ষুদ্র |
| ক্ষিপ্ত | ক্ষেত্র  | ক্ষেপ   | ক্ষেম    | ক্ষেত্র |



পড়িবার পাঠ।

passive  
anger

তোমার মাতা পিতার কথা শুন। রাগ

দ্বেষ্ট্যাগ কর। সকল লোকের প্রতি স্নেহ

কর। জ্ঞান হইলে সদা মান্য হয়। ঈশ্বর

আমাকে সৃষ্টি করিয়াছেন। আমার মনের

ভাবনা যে আছে ঈশ্বর তাহা সকল জা-

নেম। তিনি সকলের উপর সর্বদা দৃষ্টি

করেন। যে জন পাপ করে তাহার শাস্তি

ঈশ্বর দেন। যে লোক ঈশ্বরের সেবা করে,

তাহার ধন্য। যে জন পরের মঙ্গল চেষ্টা

করে সেই জন ঈশ্বরের সেবক। ঈশ্বরের

যে প্রেম, যে জ্ঞান, যে শক্তি, যে দয়া তাহা

কে জানিতে পারে? দুঃখি লোকের প্রতি

দয়া কর। কোন জন্তুকে ক্লেশ দিও না।

হে ভাইরা! পরস্পর প্রেম কর। মন্দ ও

অলস ও অজ্ঞান বালকের সহিত থাকিও

না। কি ভাল কি মন্দ তাহা বিবেচনা কর।

ক্রোধ ও প্রতিহিংসা করিও না। বিদ্যা

কপ নিধি চোরে লইতে পারে না, দান

কপ নিধি চোরে লইতে পারে না, দান

করিলেও ক্ষয় পায় না, দূরদেশে যাইতে  
 সঙ্গে যায়, এই হেতু ইনি মহাধন। এই  
 রত্নলাভে যত্নযুক্ত হও। বিদ্যাদীপ তুল্যা;  
 এক প্রদীপেতে তুমি অন্য প্রদীপ  
 উজ্জ্বল করিতে পার, তথাপি ইহার তে-  
 জোহাস না হইয়া প্রদীপ্ত থাকে, তদ্রূপে  
 ব্যক্তি বিদ্যা দান করে, সে অন্যের প্রতি  
 অমূল্য ধন প্রদান করে, এবং তাহার  
 আপন সঞ্চয় হানি হয় না।  
 মাতার সমান নাই শরীর পোষিক।।  
 ভাষ্যের সমান নাই শরীর ভোষিক।।  
 বিদ্যার সমান নাই শরীর ভূষিক।।  
 চিন্তার সমান নাই শরীর শোষিক।।  
 বিদ্বান আর রাজা সমান নহে; যে  
 সমান জ্ঞান করে সে বড় অজ্ঞান; কারণ  
 রাজা কেবল আপন দেশে পূজ্য, বিদ্বান  
 স্বদেশে এবং বিদেশে মান্য। অতএব  
 আলস্যাদি ত্যাগ করিয়া বিদ্যাভ্যাসে  
 সর্বদা মনোযোগ করা লোকের কর্তব্য।

|           |          |           |           |
|-----------|----------|-----------|-----------|
| অকৃত্য    | জনতা     | পিপাসা    | মর্যাদা   |
| অপেক্ষা   | জিজ্ঞাসা | পুঁটিয়া  | মৃত্তিকা  |
| অকলা      | কণ্ঠকনা  | প্রতিজ্ঞা | যন্ত্রণা  |
| অবজ্ঞা    | ঝাঁঝরা   | প্রতিমা   | যাতনা     |
| অবলা      | টুকরা    | প্রতিষ্ঠা | যোগ্যতা   |
| আকড়া     | তনুজা    | প্রশংসা   | বিনতি     |
| আক্ৰিণা   | তালুয়া  | বন্দনা    | লক্ষণা    |
| আল্গা     | তিতিক্ষা | বন্ধুতা   | শঠতা      |
| আলাদা     | ভূষার্ভ  | বর্ণনা    | সধবা      |
| আলিসা     | দীর্ঘতা  | বারান্দা  | সবলা      |
| আশঙ্কা    | দুষ্টতা  | বালুকা    | সরলা      |
| উপেক্ষা   | দোহারা   | বিধবা     | সর্বথা    |
| করুণা     | ধারণা    | বিনীতা    | সর্বদা    |
| কলিকা     | নমুন     | বেদনা     | সহতা      |
| কিনারা    | নব্রতা   | ব্যবস্থা  | সহসা      |
| কুলটা     | নিশানা   | ভদ্রতা    | সুক্রিয়া |
| গোপিকা    | ন্যূনতা  | ভাবনা     | হস্তিনী   |
| চন্দ্রিকা | পরদা     | মত্ততা    | ছড়কা     |
| চিমিটা    | পরমা     | মন্ত্রণা  | ক্ষমতা    |
| জড়তা     | পিঙ্গলা  | মমতা      | কুদ্রতা   |

|          |          |             |           |
|----------|----------|-------------|-----------|
| অকুলান   | অলঙ্কার  | উপশম        | নিবেদন    |
| অগ্রভাগ  | অসম্ভব   | একাদশ       | নিমজ্জিত  |
| অঙ্গীকার | আকর্ষিত  | কারাগার     | নিরর্থক   |
| অতিবাদ   | আক্রমণ   | কুস্তকার    | গুণবান    |
| অধিকার   | আচ্ছাদন  | কোলাহল      | দয়াবান   |
| অনর্থক   | আচরণ     | খননীয়      | ধনবান     |
| অন্তরঙ্গ | আনন্দিত  | গতায়াত     | ধনুস্বান  |
| অনিষিদ্ধ | আকর্ষণ   | চিন্তাস্থিত | পয়স্বান  |
| অনুযোগ   | আবরণ     | চন্দ্রহার   | বহিমান    |
| অনুরাগ   | আবশ্যক   | জলচর        | বিবস্বান  |
| অপবিত্র  | আরোহণ    | জলনীয়      | বুদ্ধিমান |
| অপরাধ    | আশীর্বাদ | তেজস্কর     | ভয়ানক    |
| অপজ্ঞান  | উত্তোলন  | দয়াশীল     | ভাগ্যবান  |
| অবধান    | উদ্বাপিত | দীর্ঘবস্ত্র | ভানুমান   |
| অবশিষ্ট  | উপদেশ    | দৃষ্টিভোগ   | মতিমান    |
| অবস্থিত  | উপদ্রব   | দ্রাক্ষারস  | মাল্যবান  |
| অকরণ     | উপবিষ্ট  | দ্বারপাল    | শক্তিমান  |
| অভিযুগ   | উপযুক্ত  | ধন্যবাদ     | সত্যবান   |
| অভিষিক্ত | উপরিস্থ  | নমস্কার     | হনুমান    |
| অরক্ষক   | উল্লসিত  | নিকটস্থ     | ক্ষমাবান  |

|          |          |         |          |
|----------|----------|---------|----------|
| অপ্রাপ্ত | আশঙ্কা   | উল্লস   | ছুভঙ্ক   |
| অযোগ্য   | আশ্রয়   | কামনা   | ছুভিক    |
| অরুচি    | অশিষ্ট   | কিরূপ   | ছলত      |
| অর্পণ    | আশ্বাস   | কৃতার্থ | ছরত      |
| অলৌক     | আসক্ত    | কুতিত্ব | দৃঢ়তা   |
| অবাদী    | আসক্ত    | কুপণ    | দৌরাগ্না |
| অব্যর্থ  | আসন্ন    | কৃষক    | নীরব     |
| অপ্রজ্ঞা | আত্মদ    | কেমন    | পালন     |
| অসম্মা   | আহার     | কেবল    | পুনশ্চ   |
| অসাধ্য   | উদ্ভূত   | কোমল    | পুস্তক   |
| অকম      | উদ্যত    | কৌতুক   | পৈতৃক    |
| অকর      | উদ্যম    | কৌশল    | প্রভুত্ব |
| আলসা     | উদ্বিগ্ন | ক্রমশঃ  | প্রভৃতি  |
| আলাপ     | উপমা     | চিন্তিত | প্রমাণ   |
| আরুতি    | উপায়    | চূষক    | প্রয়াস  |
| আবেশ     | উপাস্য   | চেতন    | প্রযুক্ত |
| আখিত     | উত্তর    | চেতনা   | প্রসন্ন  |



|           |             |               |            |
|-----------|-------------|---------------|------------|
| খড়দহ     | বাঁকীপুর    | শান্তিপুর     | কালীঘাট    |
| সুখচক     | শুষ্টিপাড়া | মালীপাড়া     | কলিকাতা    |
| চানক      | কামগাছী     | মীমড়া        | চিৎপুর     |
| পলতা      | গোরাফি      | মালহু         | কাশীপুর    |
| গরিকা     | গড়িয়া     | মালধা         | এঁড়াদেহ   |
| নৈহাটি    | গৌরীপুর     | রঙ্গপুর       | মুলাছোড়   |
| কোণা      | ঘোষপাড়া    | ঘোড়াঘাট      | কাঁকিনাড়া |
| চাকদহ     | চাঁদড়া     | রামপুর        | জগদল       |
| হরধাম     | চণ্ডীপুর    | বোয়ালিয়া    | ভাটপাড়া   |
| বেলুড়    | জতুগ্রাম    | লক্ষীপুর      | খাসবাড়ী   |
| বালী      | বজরাপুর     | শিবপুর        | পালপাড়া   |
| বেটরা     | দেবগ্রাম    | বাগাটি        | শালখিয়া   |
| মাহেশ     | দেবীপুর     | বান্দাপাড়া   | চাঁপদানী   |
| চাতরা     | ধন্যখালী    | সুকিন্দ্রিয়া | গৌরহাটি    |
| দীঘাঙ্গ   | সিমুলিয়া   | পাউনান        | তদেখর      |
| চুঁচুঁড়া | বাধাগাছী    | শ্রীরামপুর    | কুলীহাণ্ডা |
| ছগলী      | বলাগড়া     | চন্দনবগর      | সাহাগঞ্জ   |

দড়িবার পাঠ।

যে পিতা মাতা আপন বালককে না  
 পড়ান, সে পিতা মাতা বালকের শত্রু ;  
 যেহেতুক হংসের মধ্যে বক যেমন শোভা<sup>lighter than beauty</sup>  
 পায় না, তেমন সেই পুত্র সভা মধ্যে<sup>assembly company</sup>  
 কখন শোভা পায় না। অতএব পিতা  
 মাতা আপন সন্তানকে অবশ্য বিদ্যা  
 শিক্ষা করাইবেন। লম্বমান উত্তম কাপড়<sup>man of master honor's pride</sup>  
 পরে যে মুখ সে দূরহইতে শোভা পায়,  
 কিন্তু নিকটস্থ হইলে মুখ লোক সেই  
 পর্য্যন্ত শোভা পায়, যে পর্য্যন্ত কোন বাক্য<sup>extreme word speech</sup>  
 না বলে ; অতএব কথা কহিলে মুখ  
 জানা যায়। সৌন্দর্য্য ও যৌবনসংযুক্ত<sup>beauty comeliness young man's youth</sup>  
 যে মনুষ্য তিনি বিদ্যাহীন হইলে কখন<sup>ignorance</sup>  
 শোভা পান না, যেমত গন্ধহীন গলাশ<sup>him perfume when he is from a tree</sup>  
 ফুল<sup>flower</sup> পুষ্প<sup>flower</sup> আদরণীয় হয় না। ফলবান যে  
 বৃক্ষ এবং গুণবান যে মনুষ্য সে সর্বদা  
 নমু হয়, কিন্তু শুষ্ক কাষ্ঠ এবং মুর্থ ইহারা<sup>emptying courtship</sup>

<sup>corn broken</sup> ভগ্ন হয়, তথাপি কখন নম্র হয় না।

এক যে <sup>100</sup> গুণবান পুত্র সেও ভাল, কিন্তু

এক শত <sup>100</sup> মুর্থ পুত্রও কিছু নহে; যেহে-

তুক এক চন্দ্র <sup>moon</sup> যেমন অন্ধকার নষ্ট করে,

তেমন অনেক নক্ষত্র <sup>star</sup> অন্ধকার নষ্ট করি-

তে পারে না। প্রিয় কথা কহে, অথচ

<sup>has</sup> <sup>wishes</sup> <sup>a bad man</sup> দর্জুন এমন যে ব্যক্তি সে বিশ্বাসের

পাত্র হয় না, যেহেতুক তাহার জিহ্বাগ্রে

মধুক্ষরে এবং মুনোমধ্যে <sup>ready poison</sup> হলহল থাকে।

যেমন নক্ষত্র <sup>ornament</sup> চন্দ্রের <sup>embellishment</sup> ভূষণ, ও স্বামী <sup>of the earth</sup> পৃথিবীর

ভূষণ, ও রাজা <sup>of the earth</sup> পৃথিবীর ভূষণ, তেমন

<sup>good conduct</sup> <sup>observes</sup> <sup>the same</sup> <sup>the same</sup> <sup>the same</sup> শীলতা সকলের ভূষণ। পুস্তকে থাকে যে

বিদ্যা, আর পরের হস্তগত যে ধন, তাহা

কার্যকালে পাওয়া যায় না, অতএব সে

বিদ্যা এবং সে ধন মিথ্যা।

সমাপ্ত।

কিরামপুরের "ভমোহর" বঙ্গালরে

শ্রীযুক্ত রে এচ. পিটার্স সাহেব কর্তৃক মুদ্রিত হইল।

vishvān trustfaith confidence pātr worthy able fr eligible  
do - pātr trustworthy  
Sibh Tongue sur le lion de la langue  
Swāmi Lordmaster husband Sover. prime God preceptor

last the hand When fortunes prosper <sup>prosperity</sup> fortunate  
Por other strange foreign <sup>marks</sup> riches  
got gone reached attained  
springmarch state condition

